(ख) बरियारपुर, मुंगेर और जमालपुर में, पृथक्-पृथक् रूप से डायल घुमाकर सीधे टेलीफोन करने की सुविधा के क्षेत्र में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री और राज्य निवास मिर्धा) : (क) जी, नहीं । जब कभी दोषों के बारे में रिपोर्ट मिलती है उन्हें तुरंत दूर कर दिया जाता है।

(ख) स्थिति निम्नानुसार है :—

(1) इस समय बारियारपुर में एस० टी० डी० सुविधा व्यवहार्य नहीं है ।

(2) मुंगेर के लिए एस० टी० डी० सुविधा जुलाई, 1986 तक उपलब्ध होने की संभावना है ।

(3) जबलपुर के लिए एस० टी० डी० सुविधा सुलभ कराने पर विचार किया जा रहा है ।

हाइड्रो-कार्बन की खोज में विदेशों का सहयोग

478. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
डा० बापू कालदाते :

क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उस कार्य का ब्यौरा क्या है जिसमें सोवियत रूस ने हाइड्रोकार्बन का पता लगाने में अपना सहयोग दिया है तथा इस संबंध में अब तक की उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है और क्या किसी अन्य देश ने भी इस संबंध में अपना सहयोग दिया है;

(ख) तटीय क्षेत्र के अनुमानित 100 बिलियन क्यूबिक मीटर तथा अपतटीय क्षेत्र के प्रति वर्ष 379 बिलियन क्यूबिक मीटर में से अब तक प्राकृतिक गैस की कितनी मात्रा उपलब्ध कराई जा रही है और इस संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) क्या पूरे देश का सर्वेक्षण-कार्य पूरा कर लिया गया है या क्या कोई भाग अभी भी बचा हुआ है तथा उन स्थानों के नाम क्या है जहां प्राकृतिक गैस के पता चलने की संभावना है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री चन्द्र शेखर सिंह) : (क) भारत में भूकंपीय आंकड़ों के अधिग्रहण भूगर्भीय, भूभौतिकीय तथा खनन संबंधी आंकड़ों के संसाधन तथा उनकी व्याख्या, अंडमान का मूल्यांकन और उनका विकास, प्रशिक्षण, अनुसंधान, और विकास कार्यक्रमों जैसे हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण के विभिन्न पहलुओं के लिए सोवियत सहायता प्राप्त की गई है । हाल ही में नार्थ बेसिन तथा बाकेर ट्रटर्ती बेसिनों के आपस में सटे क्षेत्रों में तेल और गैस के लिए गहन तथा एकीकृत अन्वेषण करने के लिए सोवियत संघ के साथ एक समझौता किया गया है । आशा है कि परियोजना लागत का 70 प्रतिशत भाग सोवियत सहायता से पूरा किया जायेगा ।

कैम्बे, अपर असम, हिमालय के तराई वाले क्षेत्र, राजस्थान, बंगाल के अपतटीय बेसिनों जैसे देश के विभिन्न तलछटी बेसिनों में सोवियत सहायता से विभिन्न प्रास्पेक्टों की गई थी । इनमें से कुछ बेसिनों में हाइड्रोकार्बनों के होने का पता लगा है।

तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 1961 में फ्रांस के आई०एफ०पी० के साथ राजस्थान के जैसलमेर शहर के पश्चिम में एक क्षेत्र में संयुक्त अन्वेषण के लिए सहयोग करार किया था जहां मनहेर टिब्बा गैस क्षेत्र मिले थे ।

(ख) वर्ष 1985 के दौरान बंबई हाई अपतटीय क्षेत्र तथा गुजरात क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के उत्पादन, उपभोग तथा जलाने के संबंध में स्थिति इस प्रकार है—

क्षेत्र	प्रतिवर्ष उत्पादन	मिलियन घनमी० प्राकृतिक गैस	
		उपयोग की गई	जलाई गई
बम्बई हाई	4971	2868	2103
गुजरात क्षेत्र	883	776	107

दो अतिरिक्त मुख्य गैस कंप्रेशन कंपलेक्स अर्थात् एच०एच०और एन०बी० के चालू होने तथा तटवर्ती क्षेत्र तक इस गैस के परिवहन होने से 1986 में बंबई हाई क्षेत्र से संबंद्ध गैस के जलाने में महत्वपूर्ण कमी होगी ।

(ग) वास्तव में तेल और गैस के अन्वेषण के लिए भारत के सभी तलछटी बसिनों को भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों के अंतर्गत लाया गया है। केम्बे, अपर असम, असम-अराकान (त्रिपुरा), राजस्थान, कच्छ, कृष्णा-गोदावरी कावेरी, बंबई तथा अंडमान बेसिनों में प्राकृतिक गैस के भंडारों का पता लगाया गया है।

अन्वेषण का कार्य लगातार चलने वाली प्रक्रिया है तथा और विस्तृत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण इस समय किये जा रहे हैं तथा भविष्य में करने की योजना है ।

Sick State Electricity Boards

479. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of ENERGY bs pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of State Electricity Boards are sick due to mis-management and that their generation and transmission of power is much below their capacities; and

(b) if so, what steps are being taken by Government to improve the working of the sick State Electricity Boards?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) The performance of some of the State Electricity Boards in *terms* of financial management, utilisation of generating capacity, transmission and distribution losses etc. is not good.

(b) In order to improve the performance of these State Electricity Boards, a nnmber of measures are being implement-<ed by the State Government on the advice of the Central Government which include reduction of transmission and distribution losses, improvement in project implementation, better, capacity utilisation, systematic man-power planning and training etc. A centrally sponsored renovation and modernisation scheme for improving the performance of 36 thermal power stations is also being implemented.

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड के हैदराबाद स्थित एकक में आर्थिक अपराध

480. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या **उद्योग** मंत्री 2 दिसम्बर, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 140-96 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत हैवी इलैक्ट्रीकल लिमिटेड के हैदराबाद स्थित एकक में यात्रा भत्ता और छुट्टी यात्रा रियायत (एल०टी०सी०) के झूठे दावे के कितने मामले पकडे गये और प्रत्येक मामले में कितने रुपये का भुगतान किया गया तथा इस घोटाले के अंतर्ग्रस्त पाये गये व्यक्तियों के नाम और पते क्या-क्या हैं और उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

(ख) जिन 2 कार्यकारी अधिकारियों और 237 गैर-कार्यकारी अधिकारियों को दोषी पाया गया था उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है और चोरी गये माल का मूल्य कितना था तथा उन्हें गिरफ्तार किया गया था या नहीं ;

(ग) क्या सभी 390 शिकायतों की जांच की गई थी, यदि हां, तो कितने व्यक्तियों के विरुद्ध आरोप तैयार किये गये और कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है तथा कितने व्यक्तियों को छोड़ दिया गया ; और

(घ) क्या यह सच है कि संस्था के प्रधान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच नहीं की गई, यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?